Dr. Arun Kumar Ray
Asst. Professor
Deptt. of Psychology
U.R. College Rosera Samastipur
Paper – MJC – 2025 – 2029
Semester – 1st
Mob No 7061956103
Date – 04/11/2025

TOPIC:

* Mativation
(अभिप्रेरणा)

Sub-TOPIC:–

* (I) अभिप्रेरणा का स्वरूप (Nature of Mativation):–

अभिप्रेरणा मनुष्य के दैनिक अनुभव का एक विषय है कोई भी ऐच्छिक या कठिन या आसान कार्य अभिप्रेरणा के बिना नहीं हो सकता है। सामर्थ्य होने के साथ-साथ मनुष्य में जितनी ज्यादा अभिप्रेरणा होगी, मनुष्य का काम उतनी ही तेजी से तथा उतना ही अच्छा होगा। कार्य जितना ज्यादा कठिन होगा उसके लिए उतनी ही ज्यादा अभिप्रेरणा की आवश्यकता होती है।

*(I) "Mative is an effective conative factor which operates in determining the direction of an Individual's behaviour towards an end or goal, apprehended consciously or unconsciously." (James Drever)

*(II) R.S. woodworth:– के अनुसार "A mative is a state or set of the Individual which disposes him for certain behaviour and for seeking certain goals."

* गिलफोर्ड (Guilford): के शब्दों में, अभिप्रेरक एक कोई भी विशेष आंतरिक कारक अथवा दशा है जो क्रिया को प्रारम्भ करने अथवा बनाये रखने को प्रवृत्त होता है। इस प्रकार अभिप्रेरणा (Mativation) में वे सब आन्तरिक अवस्थाएँ आ जाती हैं जो कि किसी क्रिया को छोड़ती या उसको बनाये रखती हैं। अभिप्रेरक (Motives) उद्दीपन (stimulus) से भिन्न होता है क्योंकि वह उत्तेजना के प्रकट होने के पहले से ही उपस्थित होता है। यदि आन्तरिक अभिप्रेरणा न हो तो बाह्य उद्दीपन कितना भी तीव्र होने पर भी अनुक्रिया उत्पन्न नहीं हो सकती। शाब्दिक अर्थों में हम कह सकते हैं कि अभिप्रेरणा के

Scanned with CamScanner

Motivation

* अन्तर्गत जीवन में क्रिया उत्पन्न करने वाले आन्तरिक बाह्य सभी कारक आ जाते हैं परन्तु मनोवैज्ञानिक अर्थ में उसमें केवल उन कारकों को लिया जाता है जो अन्दर से जीव की क्रियाओं का नियन्त्रण करती हैं। इसमें यांत्रिक और प्रतिवर्ती क्रियाएँ नहीं आती क्योंकि वे शारीरिक ढाँचे तथा बाह्य पर्यावरण पर ही निर्भर रहती हैं इस प्रकार का यांत्रिक व्यवहार बहुत ही अविकसित जीवों में दिखाई पड़ता है। विकसित श्रेणी के जीवों में उनकी परिवर्तनशील शारीरिक और मानसिक दशाएँ उनके व्यवहार पर नियन्त्रण करती हैं। कहावत है आप घोड़े को पानी तक ले जा सकते हैं परन्तु उसको पानी पिला नहीं सकते। पानी सामने होने पर भी घोड़ा पानी तभी पीयेगा जब उसको प्यास लगेगी। अभिप्रेरक परिवर्तनशील शारीरिक अवस्थाओं और पूर्व अनुभव पर निर्भर रहते हैं।

* (III) Lovell के अनुसार :— "Motivation may be defined more formally is a Physiological internal Process, initiated by some need which leads be activity or which will satisfy this need."

दूध का जला छाछ को फूँक-फूँक कर पीता है। जलने से पहले गर्म दूध को देखकर भी उसमें उसे गटागट पीने की अभिप्रेरणा नहीं होती है।

* कबूतर के जोड़े के व्यवहार को देखकर उनमें काम अभिप्रेरक का प्रभाव बतलाया जा सकता है। माँ के व्यवहार का कारण वात्सल्य माना जाता है, परन्तु अनेक प्रकार के कर्मों के पीछे एक ही अभिप्रेरक हो सकता है, और एक ही काम के पीछे भिन्न-भिन्न अभिप्रेरक हो सकते हैं।

Dr. Arun Kumar Ray

The end.

Scanned with CamScanner